Post-Event Report

Event	संवाद
Topic	शख़्सियत से मुलाक़ात
Organizer	हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन'
Date	19 जनवरी, 2023
Time	12:00 बजे दोपहर
Duration	03:00 घंटे
Place/Platform	सेमीनार हाल
Number of Participants	52
Guest Speaker/Trainer	प्रो. मंजु मुकुल काम्बले
Welcome Speech	प्रो. रेनु दुग्गल
Introduction to the Speaker	डॉ. अमरजीत कौर

Activities

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा 19 जनवरी, 2023 को 'शख़्सियत से मुलाक़ात' शृंखला के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकार एवं प्रोफेसर मंजू मुकुल कांबले प्रमुख वक्ता के रूप में आयोजन में

मौजूद रहीं। विभाग प्रभारी 'प्रो. रेनू दुग्गल' ने वक्ता का स्वागत किया।

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व शिक्षकों ने उनसे प्रश्न किए जिस पर उन्होंने सभी के प्रश्नों का बेहतरीन तरीके से उत्तर दिया, साथ ही उन्होंने हिंदी एवं पत्रकारिता के "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय भाषाएं" की क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों को प्रेरित किया। उन्हें हिंदी एवं पत्रकारिता का महत्त्व बताते हुए हिंदी एवं पत्रकारिता के चुनौतियों के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम मे कॉलेज के अन्य विभागों के प्राध्यापक व विद्यार्थी भी मौजूद थे।

तत्पश्चात कार्यक्रम में हिंदी व हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक डॉ. रेनू दुग्गल, डॉ. अमरजीत कौर, डॉ. दीपमाला, डॉ. अंजु बाला, डॉ. भूपिंदर कौर, डॉ. शैलजा, डॉ. हरदीप, डॉ. सविलता, श्री महेंद्र कुमार सिंह, डॉ. रूद्रेश नारायण मिश्र, डॉ. मनीष ओझा और अविनाश कुमार सिंह सभी ने अपने विचार रखें।

अंततः विभाग प्रभारी प्रो. रेनु दुग्गल ने सबका धन्यवाद किया और अपने वक्तव्यों से सभी का आभार दिया। इसके बाद मंथन सोसाइटी के संचालक डॉ. अमरजीत कौर ने औपचारिक रूप से धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

Main Ideas

विभाग प्रभारी प्रोफेसर रेनु दुग्गल जी ने सभी का अभिनंदन किया। प्रोफेसर रेनु दुग्गल ने कहा शिक्षा नीति राष्ट्र का अभूतपूर्व हिस्सा है। देश को आजाद हुए 75 साल बीत चुके हैं और यह शिक्षा की क्रांति के बदलाव को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह ने कहा यह बड़ी खुशी की

बात है सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रावधान पेश किया। प्राचार्य द्वारा बताया गया कि भारत की शिक्षा व्यवस्था समृद्ध है। यह नीति नवीन भारत के लिए छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है । मुख्य अतिथि प्रोफेसर मंजू मुकुल कांबले जी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आने से देश के छात्र आत्मनिर्भर और विविध भाषाओं को जान सकेंगे और अपनी मातृभाषा में छात्रों का सर्वांगीण विकास होगा। भाषा अस्मिता से जुड़ी होती है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था व्यक्ति में अंतर्निहित पूर्णता है । शिक्षा फिलोसफी, ज्ञान परंपरा, सामाजिक चिंतन, आर्थिक दायरा, देश का भौगोलिक दर्शन और तकनीकी को बताता है। 1948 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने विश्वविद्यालय आयोग का गठन किया। 2020 में मातृभाषा को प्रारंभिक शिक्षा पर जोर दिया गया। इसमें कानून, कृषि, तकनीकी ज्ञान और व्यवसाय की शिक्षा को मातृभाषा से जोड़ा गया ।	
Vote of thanks	डॉ. अमरजीत कौर
Attendance and Feedback link	
Poster (Attach below)	

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

'मंथन'
(हिंदी साहित्य सभा)

द्वारा आयोजित

'शख़्सियत से मुलाकात'

प्रो. मंजु मुकुल कांबले
(हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय भाषाएँ'

दिनांक- 19 जनवरी, 2023
समय- दोपहर 12 बजे
स्थान- सेमीनार हॉल

प्रो. रेनू दुग्गल
(विभाग प्रभारी)

डॉ. अमरजीत कौर
(संयोजिका)

डॉ. शैलजा
महेंद्र प्रताप सिंह
डॉ. मनीष ओझा
(समन्वयक)

प्रो. गुरमोहिंदर सिंह
(प्राचार्य)

Pictures (Attach Five Photos)

Attach Photocopy of two Certificates

Signature: 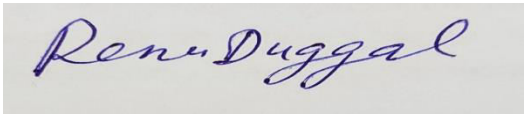

Name: डॉ. रेणु दुग्गल

(Convenor)